जनपद चन्दौली, उत्तर प्रदेश के विकास खण्ड चकिया के चयनित गांवों के बच्चो में पोषण की स्थिति।

एक संक्षिप्त रिर्पोट

समयावधि–सितम्बर 2019 से मार्च 2025।

द्वाराः–

Rural Organization for Social Advancement- "ROSA"

"रोजा" संस्थान, ककरमत्ता, वाराणसी।

बेवसाइट– **www.rosanow.org**

प्रस्तावना

रूरल आर्गनाइजेशन फार सोसल एडवांसमेंट जिसे रोजा संस्थान के नाम से जाना जाता है। एक पंजीकृत सामाजिक संस्था है जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के जिला आजमगढ़, चन्दौली, गाजीपुर, बलरामपुर और उन्नाव के 499 गांवों में वंचित समुदाय के सामाजिक उत्थान के लिये कार्य कर रही है।

जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के 26 गांवों में चाइल्ड राइट एण्ड यू, नई दिल्ली के सहयोग व मार्गदर्शन में रोजा संस्थान बाल अधिकार के मुददे पर कार्यरत है। संस्थान द्वारा स्वास्थ्य व पोषण के मुददे पर किशोरी बालिका, गर्भवती महिलाये, धात्री महिलायें और 0 से 5 वर्ष के बच्चो को बेहतर स्वास्थ्य देखरेख के मुददे पर फोकस किया जाता है। विशेषकर गावों के मुसहर समाज में स्वास्थ्य व पोषण के साथ ही सामाजिक उत्थान के लिये विशेष प्रयास किये जातें है। हमने अपने कार्य के दौरान पाया कि चन्दौली जिले के विकास खण्ड चकिया के 26 चिन्हित गांवों के मुसहर समाज की वस्तियों में महिलाओं और 5 साल से कम आयु के बच्चों में कुपोषण और बिमारियों के संक्रमण की अधिकता पायी गयी है वहीं किशोरियों व महिलाओं में खून की कमी, गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के कम वजन, बच्चो के जन्म के समय कम वजन, कम अंतराल में प्रसव और टीकाकरण व पोषण आदि की सेवाओं के लाभ का पूर्ण उपयोग न होने के साथ ही साथ कम उम्र में लड़के और लड़कियों के विवाह और परिवार चलाने की जिम्मेदारी और समाज में अंधविश्वास और परम्परागत विचारधारा परिवारों को विषम परिस्थितियों से निकलने से रोक रही है।

संस्था द्वारा किये जा रहें प्रयास–

संस्था 5 साल से कम बच्चो का तीन माह में एक बार वजन करती है। जो बच्चे मध्यम स्तर के पाये जाते है उनका हर दो माह पर वजन करती है और जो बच्चे अति कुपोषित पाये जाते है उनका हर माह वजन करती है। अति कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चो को हर माह सूखा राशन व दूध का वितरण किया जाता है। अति कुपोषित बच्चो को एनआरसी चकिया रेफर किया जाता है। जहां इलाज की जरूरत होती है उन बच्चो के अभिभावको को प्रेरित किया जाता है कि वे डाक्टर से इलाज करायें और देखभाल करें।

कुल चयनित गांवों मे पोषण की स्थिति का विवरण पाई चार्ट के माध्यम से

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2019

पाई चार्ट–01– 5 साल से कम उम्र के बच्चो की पोषण स्तर

पाई चार्ट 01 के आधार पर हम देखे तो पातें है कि 1888 चिन्हित परिवारों में कुल 1098 बच्चे है जिसमें से 6 प्रतिशत बच्चे गंभीर कुपोषित है जिन्हे कुपोषण के साथ ही साथ कोई न कोई संक्रमण भी है। जिन्हे पोषण पुनर्वास केन्द्र के देखरेख में होना चाहियें। 12 प्रतिशत कुपोषित बच्चे है जिन्हे गंभीर कुपोषण तो नही है लेकिन ये सामान्य पोषण स्तर से नीचे है जिन्हे विशेष देखरेख की जरूरत है। जबकि 82 प्रतिशत बच्चे सामान्य स्तर में है और इन्हे स्वस्थ्य रखने के लिये नियमित आधार पर सामान्य देखरेख की जरूरत है। इस पाई चार्ट के आधार पर हम कह सकते है कि 18 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। कुल 1888 परिवारों में से 199 बच्चे कुपोषण के शिकार है

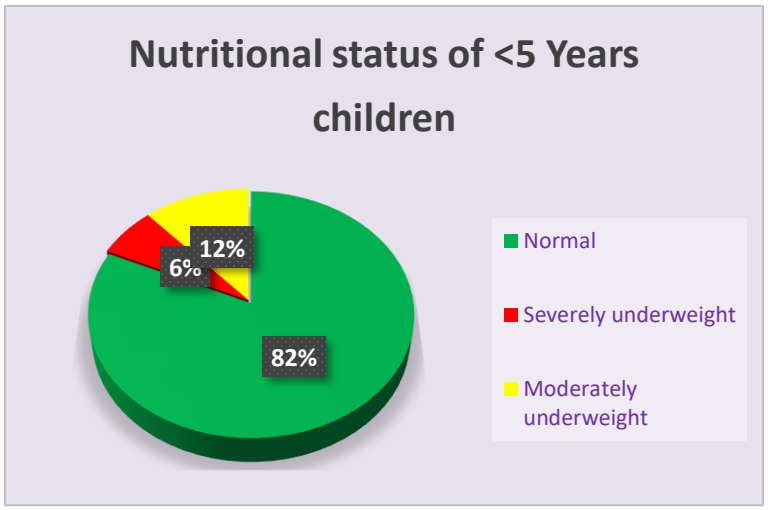

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2020

पाई चार्ट–02– के आधार पर हमने बच्चो का वजन किया और पाया कि कि 5 साल से कम उम्र के कुल 1460 बच्चो है। जिसमें 1272 बच्चे सामान्य स्तर, 105 बच्चे मध्यम स्तर, 83 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 7 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 6 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 13 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

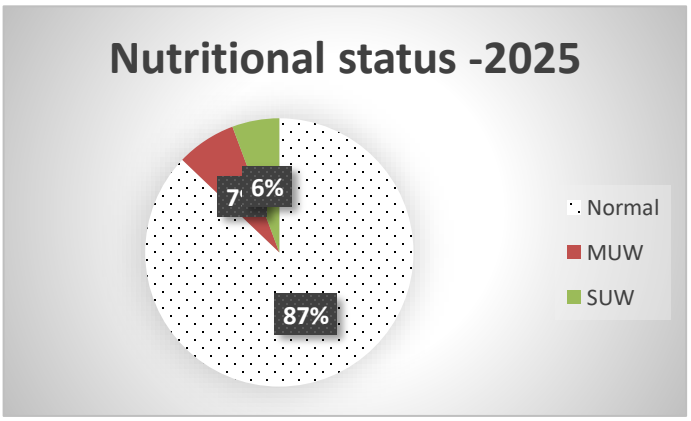

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2021

पाई चार्ट–03– के आधार पर हमने बच्चो का वजन किया और पाया कि 5 साल से कम उम्र के कुल 1400 बच्चो है। जिसमें 1243 बच्चे सामान्य स्तर, 92 बच्चे मध्यम स्तर, 65 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 6 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 5 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 11 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

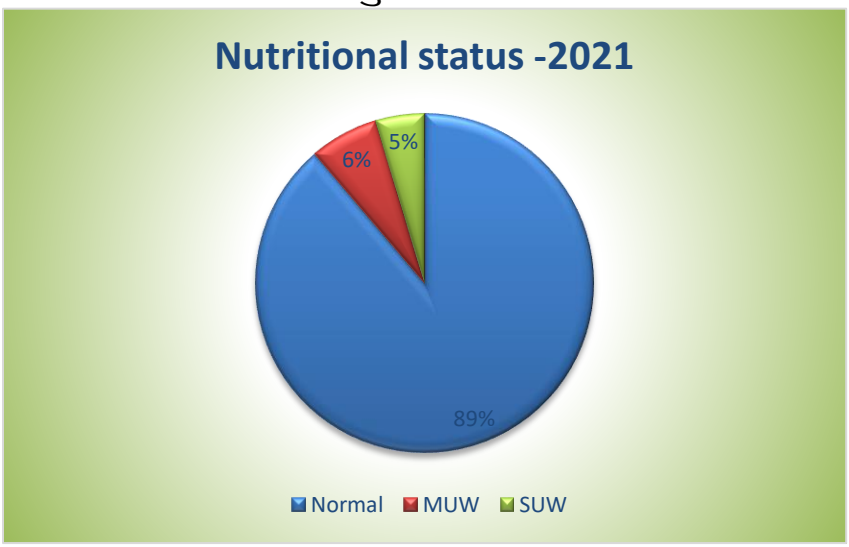

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2022

पाई चार्ट–04– के आधार पर हमने बच्चो का वजन किया और पाया कि 5 साल से कम उम्र के कुल 1341 बच्चो है। जिसमें 1210 बच्चे सामान्य स्तर, 100 बच्चे मध्यम स्तर, 31 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 8 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 2 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 10 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

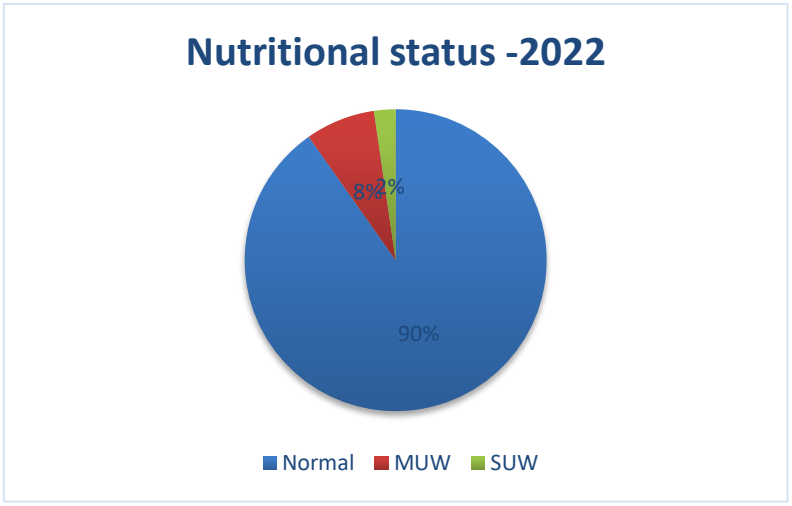

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2023

पाई चार्ट–05– के आधार पर हमने बच्चो का वजन किया और पाया कि 5 साल से कम उम्र के कुल 1610 बच्चो है। जिसमें 1447 बच्चे सामान्य स्तर, 100 बच्चे मध्यम स्तर, 63 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 6 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 4 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 10 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

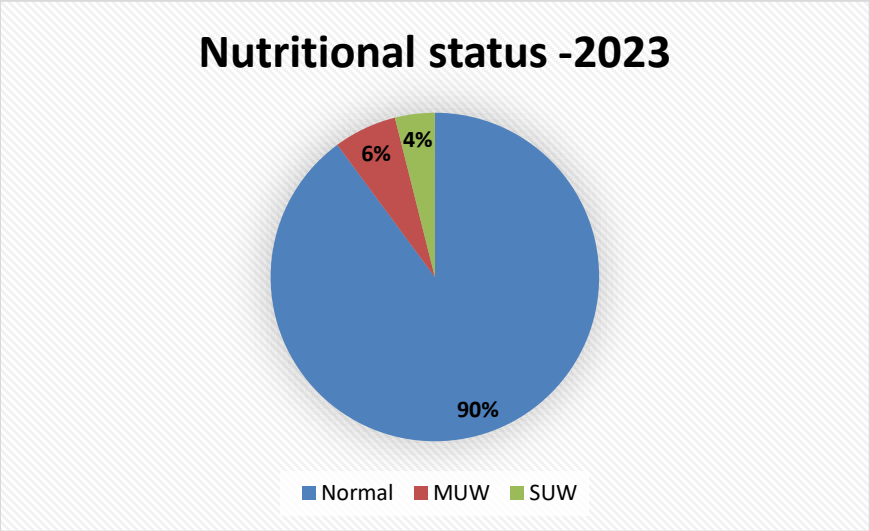

पोषण की स्थिति– सितम्बर– 2024

पाई चार्ट–06– के आधार पर हमने बच्चो का वजन किया और पाया कि 5 साल से कम उम्र के कुल 815 बच्चो है। जिसमें 724 बच्चे सामान्य स्तर, 24 बच्चे मध्यम स्तर, 20 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 3 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 2 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 5 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

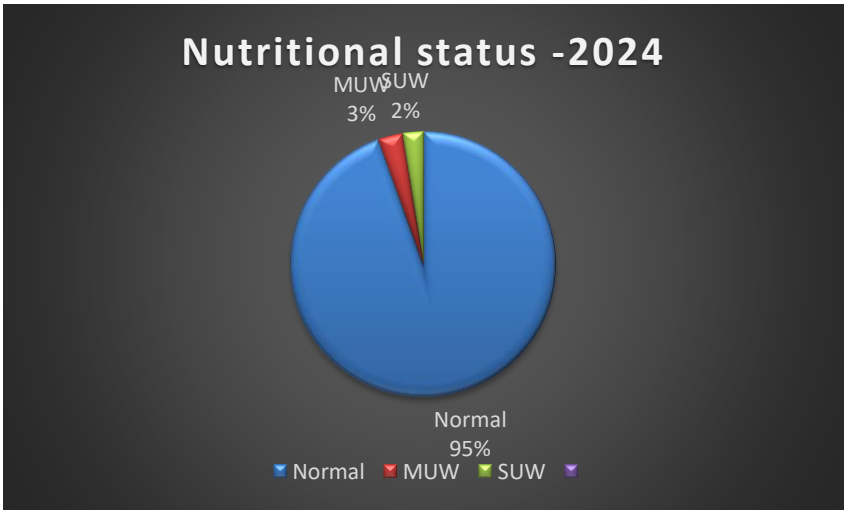

पोषण की स्थिति– मार्च– 2025

पाई चार्ट–07– के आधार पर हमने मार्च 2025 में बच्चो का वजन किया और

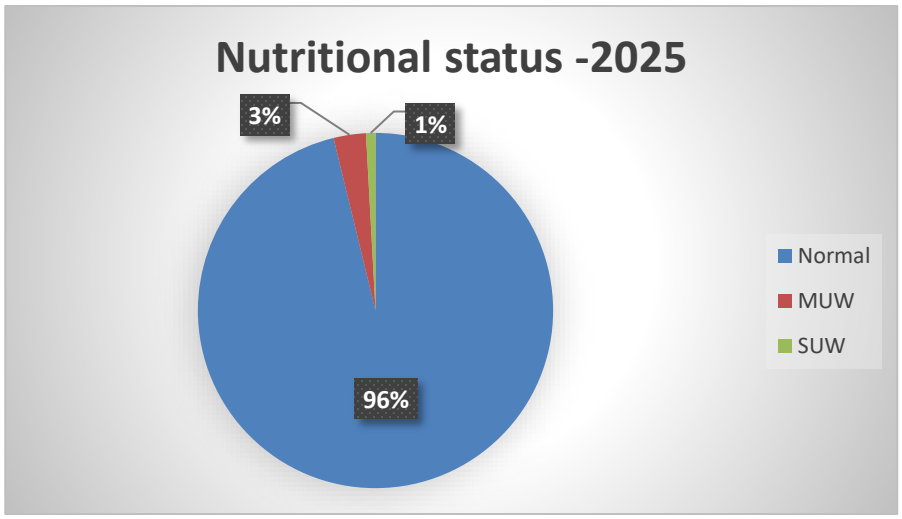

पाया कि 5 साल से कम उम्र के कुल 815 बच्चो है। जिसमें 784 बच्चे सामान्य स्तर, 24 बच्चे मध्यम स्तर, 07 बच्चे निम्न स्तर में है। इस आधार पर हम पातें है कि 2.93 प्रतिशत बच्चे मध्यम स्तर, 0.85 प्रतिशत बच्चे निम्न पोषण स्तर में है। इस आधार पर हम पाते है कि 3.79 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार है। यानि कम वजन के है।

कार्य योजना–

1. 110 बच्चो को सप्ताह में 6 दिन दूध व बिस्किट प्रदान करना।
2. मध्यम व अति कुपोषित बच्चो को प्रति माह सूखा रासन प्रदान करना।
3. अति कुपोषित बच्चो को एनआरसी में रेफर करना।
4. अति कुपोषि बच्चे को प्रति माह, मध्यम कुपोषित बच्चे को हर दो माह और सामान्य बच्चो को हर तीन माह में वजन करना।
5. हर माह गांव में संजीवनी माता समूह की बैठक मे फूड डेमो करना और गृह आधारित देखभाल पर जानकारी देना।
6. किशोरी बालिका और महिला के एनीमिया जांच करना।
7. प्रसव प्लान कराना।
8. किचन गार्डेन कराना।
9. 3 से 5 साल के 60 बच्चो को शिक्षा किट प्रदान करना।
10. 1 साल से 5 साल के 100 बच्चो को ड्रेस वितरण करना।

भवदीय,
मुश्ताक अहमद
मुख्य कार्यकारी
दिनांक 25 अप्रैल 2025